• सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग की ओर से प्रदेश में 5 साल में 10 हजार स्टार्ट-अप का टारगेट, आयुक्त संदेश नायक ने की विजिट

कोटा को जून में मिलेगा 15 करोड़ से बनने वाला इनक्यूबेशन सेंटर, 100 सीट्स पर होंगे कंप्यूटर

मकसद: राजस्थान को कवर करना
स्कूल, कॉलेज, विवि तक पहुंचना
शहर व गांव के युवाओं पर फोकस

सिटी रिपोर्टर | कोटा

कोटा में 15 करोड़ की लागत से अभय कमांड सेंटर में इनक्यूबेशन सेंटर जून में शुरू हो सकेगा। इसमें 100 सीटें होंगी। कोटा सहित प्रदेश के सात संभाग के अलावा चूरू और पाली में ये सेंटर होंगे। इसमें कुल 100 कंप्यूटर की फैसिलिटी होगी, जिसमें हाई स्पीड इंटरनेट फैसिलिटी से लेकर डाटा सेंटर, फर्नीचर, वर्क स्टेशन, रेस्ट एरिया सहित कुल तीन मंजिला होगा।

यह जानकारी भास्कर से बातचीत में सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के आयुक्त संदेश नायक ने दी। बताया कि इसके लिए शुरुआत में दो मेंटर नियुक्त किए जाएंगे। इसके बाद इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इसमें स्टॉर्ट अप शुरू करने वालों के लिए समुचित सुविधा मिलेंगी। इनके लिए फ्री वर्क स्पेस होगा। तीन मंजिला भवन इसके लिए यहां तैयार किया जा रहा है। यहां वीसी मार्केट कनेक्ट सहित अन्य फैसिलिटी भी होगी। उन्होंने बताया कि आई-स्टॉर्टअप का मकसद पूरे राजस्थान को कवर करना है। हम अभी हर डिवीजन पर जा रहे हैं। साथ ही वहां स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी और अन्य लोगों और यूथ को तलाश रहे हैं। स्कूली बच्चों और ग्रामीणों पर विशेष फोकस है। इसमें 10वीं से लेकर 11 वीं और 12वीं के स्टूडेंट्स भी शामिल हैं।

प्रदेश में आई स्टॉर्ट अप एक नजर

23676	कुल स्टूडेंट्स
11722	कुल फिमेल स्टूडेंट्स
1452	कुल स्कूल
84	कुल प्रोफेसर
1076	कुल टीम
81	मेंटर टीचर
303	कुल फिमेल टीम लीडर
555	कुल शिक्षक

आई स्टार्ट से युवा रोजगार चाहने वाले नहीं बल्कि देने वाले बनें : संदेश नायक

सूचना प्रौद्योगिकी संचार विभाग की ओर से आई-स्टार्ट कार्यक्रम की दो दिवसीय वर्कशॉप शुक्रवार को सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव संदेश नायक के मुख्य आतिथ्य में हुई।

आयुक्त नायक ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को जो अवसर प्राप्त हो रहे हैं, वह पुरानी पीढ़ी को प्राप्त नहीं थे। उन्हें रोजगार के पीछे ना भागकर स्वयं को रोजगार प्रदाता के रूप में देखना होगा और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाते हुए अपने आपको समाज में स्थापित करना होगा। उन्होंने कहा कि आज की नई पीढ़ी क्षमतावान है। कार्यशाला में संभाग के सभी जिलों से शिक्षण संस्थाओं से आए छात्र-छात्राओं एवं स्वयं सहायता समूहों ने अपने उत्पादों को प्रस्तुत किया। जिन्हें देखकर आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव नायक ने कुछ के आई स्टार्ट के रूप में आगे बढ़ने में पूर्ण संभावना बताई और डीओआईटी के पूरा सहयोग का आश्वासन दिया। समारोह में कृषि विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. डीसी जोशी ने दूसरे सेशन में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आई हुई महिला उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा कि कोविड-19 के बाद स्वास्थ्य जागरूकता का नया दौर शुरू हुआ है और आज सुदुर क्षेत्रों में बैठी महिलाओं के उत्पाद भी उपयोगी बन गये हैं। उनके द्वारा महिला उद्यमियों को आई स्टार्ट से जोड़कर प्रशिक्षण प्राप्त करना और योजनाओं का लाभ उठाकर अपने उत्पादों को आगे बढ़ाने के लिए सुझाव दिए। उन्होंने शहर के चारों विवि में मौजूद संसाधानों का समुचित लाभ उठाने का भी परामर्श दिया। कार्यक्रम में राजिविका से जुड़ी ग्रामीण उद्यमियों ने अपने अपने उत्पादों के बारे में जानकारी दी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ममता तिवाड़ी ने आई स्टार्ट के लिए युवाओं को सक्रिय सहयोग दिलाने की बात कही।

डीओआईटी आयुक्त संदेश नायक ने किया अभय कमांड सेंटर का निरीक्षण

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के आयुक्त संदेश नायक ने शुक्रवार को अभय कमांड सेंटर का निरीक्षण कर निगरानी तंत्र की जानकारी ली। उन्होंने निर्माणाधीन इक्यूबेशन सेंटर का निरीक्षण कर स्टार्टअप के लिए दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में चर्चा की। आयुक्त ने कहा कि अभय कमांड सेंटर को प्रभावी बनाकर मॉनीटरिंग सिस्टम के बहुउद्देशीय कार्य में उपयोग लिया जाएगा। नगर निगम, नगर विकास न्यास स्मार्ट सिटी के तहत निगरानी तंत्र को प्रभावी बनाकर आम लोगों की सुविधाओं में विस्तार कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि अभय कमांड से सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेशों पर भी निगरानी रखी जा रही है। आपराधिक गतिविधियों पर निगरानी व यातायात को सुव्यवस्थित करने में भी अभय कमांड सभी जिलों में बेहतरीन कार्य कर रहा है। उन्होंने स्क्रीन पर निगरानी के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग तथा पुलिस विभाग द्वारा बनाये गई कार्य योजना के बारे में संबंधित अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की।

583 कैमरे लगेंगे : आयुक्त ने बताया कि कोटा शहर मे अभय कमांड सेंटर से निगरानी तंत्र को और मजबूत करने के लिए 583 कैमरे और लगाये जायेंगे। इसके लिए कार्यादेश जारी कर दिए गये है। इनके पूरा होते ही सम्पूर्ण शहर निगरानी में रहेगा। किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि, विकास कार्यों, कचरा संग्रहण की मॉनीटरिंग अधिकारी अभय कमांड के माध्यम से कर सकेंगे।